शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

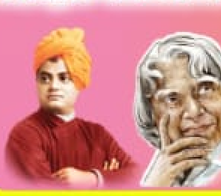

मिशन शिक्षण संवाद

रविवार विशेष

सृजन बाल गीत

भाग- 5

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

शैक्षिक बालगीत संकलन

दिनांक 27.06.2021

क्रमांक 110 से 140 तक

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

सृजन बालगीत

110

रविवार काव्य उल्लास

मेरी माँ

मेरी माँ है कितनी प्यारी,
जग से है वह न्यारी।
गोदी पर है मुझे सुलाती,
मीठी-मीठी लोरी सुनाती।।

अच्छा-अच्छा खाना पकाती,
बड़े प्यार से हमें खिलाती।
सदा अच्छी आदतें सिखाती,
गलती पर हमें मार लगाती।।

मेरी माँ है कितनी प्यारी,
सारे जग से है वह न्यारी।।

कुमारी सिया मेहरा (छात्रा)
कक्षा- 5
रा० प्रा० वि० परमा
वि०ख०- हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

111

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

बादल

देखो-देखो आया बादल,
आसमान में छाया बादल।
शीतल जल बरसाता बादल,
सबका मन हर्षाता बादल।।

श्वेत-श्याम सा प्यारा बादल,
रुई के फाहे जैसा बादल।
मैं भी नील गगन में घूमूँ,
बनकर प्यारा-प्यारा बादल।।

रचना- भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

112

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

बेटी हूँ मैं

पापा की प्यारी बेटी हूँ,
मम्मी की प्यारी बेटी हूँ।
चाँद, तारों को छूने निकली,
भारत की न्यारी बेटी हूँ।।

कुछ कर दिखाने का ठाना है,
बस यह विश्वास जगाना है।
संघर्ष कितना भी हो मुश्किल,
मुझे कुछ बनकर दिखाना है।।

रचना
प्रकृति वशिष्ठ
कक्षा-5
के०वी०पी०एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

प्यारे-प्यारे बच्चे

ये प्यारे-प्यारे बच्चे,
हैं मन के बहुत सच्चे।
मासूमियत से भरे हुए हैं,
ना कोई दुर्विचार रखते।।

हम जैसा इन्हें बनायेंगे,
ये वैसा ही बन जायेंगे।
अच्छा ज्ञान पा कर के,
ये सबका मान बढायेंगे।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क०वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

114

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

अच्छे बच्चे

अच्छे बच्चे जल्दी सोते,
सुबह को जल्दी उठ जाते।
नहाते-धोते, तैयार होते,
फिर विद्यालय को जाते।।

पढ़ते-लिखते नहीं झगड़ते,
शिक्षक की हर बात मानते।
जब स्कूल से छुट्टी होती,
सीधे अपने घर आते।।

रचना
स्नेह लता (स० अ०)
प्रा० वि०- नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

115

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

छाता

बारिश का मौसम है आया,
रंग-बिरंगे छातों वाला।
नीले, पीले, हरे, बैंगनी,
मुझको भाए लाल वाला।।

बादल काका बारिश कर दो,
छाता लेकर घूमूँ मैं।
बन्द करूँ कभी इसको खोलूँ,
छम-छम बारिश में खेलूँ मैं।।

रचना

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

116

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

बूँद

बादलों से चली आयी हूँ,
धरा पर मैं छायी हूँ।
प्रकृति की देखों मैं अब
प्यास बुझाने चली आयी हूँ।।

मैं ही हरियाली लाती,
पक्षियों की प्यास बुझाती।
सूखाग्रस्त इलाकों में,
बाढ़ का रुप ले आती।।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

117

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

केले वाला

ठेले वाला केले लाया,
गली में आकर शोर मचाया।
मिनी आओ, बबलू आओ,
सब जन आकर केले खाओ।।

केले से कैल्शियम मिल जाए,
दाँत, मसूड़े स्वस्थ हो जाएँ।
हर मौसम में केला आता,
सब बच्चों के मन को भाता।।

रचना- मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
किला परीक्षित गढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

118

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

तितली रानी

रंग-बिरंगी तितली रानी,
दूर गगन में उड़ती हो।
लहराती इठलाती देखो,
कितना तुम इतराती हो।।

काली, पीली, हरी, सुनहरी,
कितने रंग संजोए हो।
हर बगिया में घूम-घूम कर,
अपने रंग बिखराती हो।।

रंग-बिरंगी तितली रानी,
तुम कितनी सयानी हो!
जब मैं आऊँ तुम्हें पकड़ने,
झट से उड़ जाती हो।।

रचना
रविता शर्मा (शिक्षिका)
कृष्णा पब्लिक स्कूल, मेरठ

आओ योग करें हम

योग को अपनाइए,
जीवन स्वस्थ बनाइए।
योग से तन भी निरोगी,
मन में भी स्फूर्ति लाइए।।

Yoga for Harmony & Peace

योग की क्रियाओ से,
ऊर्जा का संचार करें हम।
प्राणायाम से ईश्वर का,
साक्षात्कार करें हम।

करें अनुलोम-विलोम,
कपालभाती, सूर्य नमस्कार।
ॐ ध्वनि, और भस्त्रिका।
विभिन्न आसनों के प्रकार।।

रचना
मनोज कुमारी नैन (प्र०अ०)
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहर नगर
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

120

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

उड़ान

मीना बस्ता लेकर बैठी,
देख उसे फिर दादी ऐंठी।
मोबाइल से ध्यान हटा लो,
माँ का थोड़ा हाँथ बटा लो।।

सीखो घर का सारा काम,
दादी ने कर दिया एलान।
सोच-सोचकर है परेशान,
मीना कैसे भरे उड़ान।।

रचना

रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

मस्त कलन्दर बन्दर

देखे केले, आम, चुकन्दर,
भागा झट-पट लेकर बन्दर।
घर के मालिक ने देखा बन्दर,
लाठी ले दौड़ा घर के अन्दर।
भागा बन्दर छोड़ चुकन्दर।।

एक था बन्दर, मस्त कलन्दर,
कलाबाज सा बड़ा धुरन्धर।
पास में छोटा घर था सुन्दर,
देख के घर में कोई न अन्दर।
चला गया फिर घर में बन्दर।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

122

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

सबसे न्यारे मेरे पापा

सबसे प्यारे मेरे पापा,
सबसे न्यारे मेरे पापा।
हम पापा के राजदुलारे,
गर्व हमारे मेरे पापा।।

रोज घुमाने हमको जाते,
सुबह सवेरे योग सिखाते।
मम्मी खाना लेकर आती,
पापा प्यार से हमें खिलाते।।

पापा हमको चीज दिलाते,
खेल-खिलौने टॉफी लाते।
पढ़ने से जब जी भर जाता,
पापा हमको खेल खिलाते।।

रचना
रविन्द्र कुमार सिरोही
(ए०आर०पी०)
बड़ौत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

123

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

घर का भोजन

फास्ट फूड न खाना तुम,
न खाना कुछ बाजार का।
चाट, समोसा, ब्रेड और मोमो,
ये सब है बेकार का।।

घर का ही भोजन है अच्छा,
खाओ खीर,पकौड़ी।
खाओ चाहे दाल और चावल,
चाहे खाओ कचौड़ी।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुनगर
खैराबाद, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद
27 जून 2021
124
सृजन बालगीत
रविवार काव्य उल्लास

अनार

अनार का रंग होता लाल,
फल है ये बहुत कमाल।
प्यूनिका ग्रेनेटम इसका नाम,
आये दवा के भी ये काम।।

सैकड़ों होते रसीले दाने,
मीठे-मीठे रसीले दाने।
कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन,
पाये जाते खनिज, विटामिन।।

स्वाद और सेहत से भरपूर,
करता कई बीमारियों को दूर।
खाओ सब अनार खूब,
खाकर हो जाओ मज़बूत।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

फूल देता सीख

फूलों से सदा मुस्कुराना सीखो,
कष्ट में भी हँसकर रहना सीखो।
उसे देख कष्टों को छुपाना सीखो,
ग़म में भी स्वयं से खुश होना सीखो।।

फूल की सुन्दरता केवल मत देखो,
खुश रहता फूल सदा यह भी देखो।
खुद काँटों में रहकर जो खिलता है,
कभी नहीं वह उदास दिखता है।।

रचना-प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि०अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

सृजन बालगीत

126

रविवार काव्य उल्लास

हिमगिरि

हिमगिरि सुहृद स्रोत सरिताई।
अहइ लोक जन मंगलदायी॥

उत्तर दिशि गिरि विविधि शिखाएँ।
जस योगी ऋषि स्वेत जटाएँ॥

पतित पावनी गंगा माई।
जटा शम्भु अपने उलझाई॥

सूर्य सुता शुभ यमुना माई।
कूले खेलें किशन कन्हाई॥

रचना
रामचन्द्र सिंह स०अ०
प्रा०वि०जगजीवनपुर-2
ऐरायां,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

127

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

प्यारी दादी माँ

मेरी प्यारी दादी माँ,
सबसे न्यारी दादी माँ।

रोज़ कहानियाँ हमें सुनाती,
अच्छी बातें हमें सिखाती॥

गलत करूँ, तो डाँट लगाती,
फिर समझाकर हमें मनाती॥

बच्चों के संग बच्चा बन जाती,
हम सब पर वो जान लुटाती॥

रचना
शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

128

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

मेरी कॉपी

बच्चे जब स्कूल में आते,
अपनी-अपनी कॉपी लाते।
कॉपी में सब लिखना सीखें,
बड़े प्यार से उसे सजाते।।

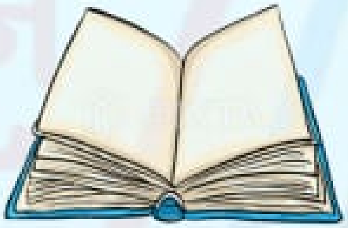

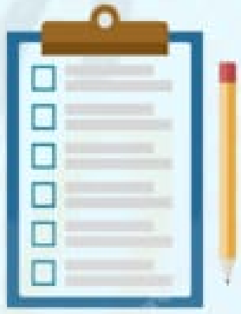

मैडम बोली कॉपी लाओ,
अपना काम चेक कराओ।
सबसे प्यारी मेरी कॉपी,
हिन्दी लिखो, सवाल लगाओ।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

129

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

भारत माँ की बेटी

मैं भारत की बच्ची हूँ,
मन से बिल्कुल सच्ची हूँ।
अरमान ये कि कुछ काम करूँ,
देश का जग में नाम करूँ।।

भारत माँ मेरी माँ के जैसी,
प्यारी-प्यारी भोली वैसी।
फिर भला मैं क्यों डरूँ,
क्यों न कुछ ऊँचा करूँ।।

देश का जग में नाम हो,
भारत का सीना विशाल हो।
गर्व मुझ पर भारत माँ करें ,
साहस सदा मुझमें भरें।।

रचना-
डॉ० स्वाति मिश्रा बाजपेई (प्र०अ०)
यू पी एस टिकरी गणेश
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

मेरी अध्यापिका

मेरी अध्यापिका बड़ी महान,
कराती मुझे अक्षरों की पहचान।
खेल-खेल में मुझे सिखाती,
कुछ नया रोज हमें बतलाती।।

अध्यापिका मेरी सबसे न्यारी।।
कभी सखी, कभी गुरु बन जाती,
भले-बुरे का ज्ञान कराती।
लगती है वो मुझको प्यारी

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

समोसे

तीन कोने का मुँह बनाए,
चटपटा समोसा कहलाए।
गरमागरम तुम खाओगे,
स्वाद भूल ना पाओगे।।

खट्टी-मीठी चटनी लाओ,
खाने का फिर स्वाद बढ़ाओ।
देखते मुँह में पानी आए,
छोटे-बड़े सभी को भाए।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

माँ तुम

प्यारी जग से न्यारी माँ ,
खुशियाँ देती सारी माँ।
चलना हमें सिखाती माँ,
मंजिल हमें दिखाती माँ ।।

सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ।
खाना हमें खिलाती माँ,
लोरी गाकर सुलाती माँ।।

दुनिया की सैर कराती है माँ,
सपने मुझे दिखाती माँ।
जीवन का लक्ष्य बताती माँ,
खुशियों की पिटारी है माँ।।

रचना
कुमारी साक्षी (छात्रा)
कक्षा- 7
रा० उ० प्रा० वि० सिदोली
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

133

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

प्रसून

मैं पुष्प, कुसुम, प्रसून, सुमन,
महका दूँ सबके वन-उपवन।
खुशियों में चार चाँद लगा दूँ,
ग़म में मंज़िल तक पहुँचा दूँ।।

मैं जल, मिट्टी, खाद में उपजा,
कार्बन उत्सर्जन भी मुझे मिला।
रवि की रोशनी से मैं पला-बढ़ा,
ईश्वर ने मुझे ऐसा ही है गढ़ा।।

रचना-

अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

134

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

चिड़िया रानी

आओ-आओ चिड़िया रानी,
पास बैठकर सुनो कहानी।
चीं-चीं-चीं-चीं करती हो,
सबके मन को हरती हो।।

तुम हो सुन्दर, तुम हो न्यारी,
आवाज तुम्हारी कितनी प्यारी।
मेरे अँगना जब आती हो,
सबके मन को भाती हो।।

रचना-
अंशिका शर्मा (स॰अ॰)
प्रा॰ वि॰ नौजरपुर
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

सृजन बालगीत

135

रविवार काव्य उल्लास

संविधान प्रशस्ति

ना रोक हूँ किसी की मैं,
ना टोक हूँ किसी और की।
मैं इस देश का विधान हूँ,
हाँ-हाँ मैं संविधान हूँ।।

इस देश की रीढ़ हूँ मैं,
बुद्धि का मुरीद हूँ मैं।
मैं न्याय का प्रमाण हूँ,
हाँ-हाँ मैं संविधान हूँ।।

ना तोड़ कर, ना मोड़ कर ही,
रोक मुझको पाओगे तुम।
मैं सत्य का मुकाम हूँ,
हाँ-हाँ मैं संविधान हूँ।।

रचना
अनन्या शर्मा (छात्रा)
एस॰ डी॰ एस॰ शारदा
यूनिवर्सिटी

सपना

मैंने देखा एक सपना,
मेरा गाँव जहाँ है पटना।
बगीचे मे है बिस्कुट का पेड़,
और बहुत टॉफी का ढेर।।

सोचा खाऊँ बिस्कुट, टॉफी,
तभी मम्मी लेकर आयी कॉपी।
बोली होमवर्क करो तुम अपना ,
फिर बिस्कुट खाने का देखो सपना।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

137

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

इंद्रधनुष

जब वर्षा का मौसम आया,
आसमान में बादल छाया।
छम-छम कर बारिश आयी,
ठंडी-ठंडी हवा भी आयी।।

बारिश हो गयी, निकली धूप,
आसमान में निकला एक रूप।
रंग-बिरंगा, चमकीला अनूप,
सात रंग लगते थे खूब।।

बैंगनी, केसरिया, नीला, हरा,
पीले, नारंगी, लाल रंग से भरा।
सुन्दर सा चित्र गगन में उभरा,
इंद्रधनुष का रूप निखरा।।

रचना-
प्रतिभा यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
पुवॉरका, सहारनपुर (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

सृजन बालगीत

138

रविवार काव्य उल्लास

सुन्दर प्रकृति

आओ! घर-आँगन अपने,
चम्पा, जूही, गुलाब लगाएँ।
सोधीं-सोधीं खुशबू फैलाएँ,
घर-आँगन को महकाएँ।।

संसार में हरियाली फैलाएँ,
ऑक्सीजन खूब बढ़ाएँ।
दूषित वातावरण को मिटाएँ,
प्रकृति को स्वच्छ सुन्दर बनाएँ।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

139

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

पर्यावरण के मित्र

हरे-भरे अति सुन्दर लगते,
इनसे ही हैं मेघ बरसते।
धरती पर इनसे ही यौवन,
इनसे ही मिलता है जीवन।।

परोपकार ये हमें सिखाते,
बिन माँगे सब कुछ दे जाते।
फल देते और देते छाया,
सुख-दुख में सम रहती काया।।

वृक्ष हमारे जीवन-साथी,
हम सबके जीवन की थाती।
आओ! हम सब वृक्ष लगाएँ,
फिर से धरती पर स्वर्ग ले आएँ।।

रचना
श्रीमती शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

27 जून 2021

140

सृजन बालगीत

रविवार काव्य उल्लास

मेघा रे

मेघा रे-मेघा रे,
जल बरसाओ रे।
सूखी धरा को,
तृप्त कर जाओ रे।।

पशु-पक्षी निहारें,
जन-जन पुकारें।
सभी की आश को,
पूरा कर जाओ रे।।

रचना-
रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत - भाग 05

रचनाकारों की सूची

110-कु०सिया मेहरा (छात्रा), नैनीताल
111-भावना शर्मा, मेरठ
112-प्रकृति वशिष्ट (छात्रा) मेरठ
113-माला सिंह, मेरठ
114-स्नेहलता, मेरठ
115-रचना रानी शर्मा, मेरठ
116- ऊषा रानी, मेरठ
117- मोना शर्मा, मेरठ
118 रविता शर्मा, मेरठ
119-मनोज कुमारी नैन, बागपत
120-रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
121- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
122-रवीन्द्र कुमार सिरोही, बागपत
123-रश्मि शर्मा, सीतापुर
124- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
125-प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
126-रामचन्द्र सिंह, फतेहपुर
127- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
128- शहनाज बानो चित्रकूट
129-डॉ० स्वाती मिश्रा, उन्नाव
130- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
131-ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
132- कु० साक्षी (छात्रा), उत्तराखण्ड
133-अंजू गुप्ता, बाँदा
134- अंशिका शर्मा, एटा
135- अनन्या शर्मा (छात्रा), अलीगढ़
136-नीलम भास्कर, बागपत
137- प्रतिभा यादव, सहारनपुर
138- अनुप्रिया कुमारी (छात्रा), चन्दौली
139- शुभा देवी. फतेहपुर
140-रीना काकरान, मेरठ

तकनीकी सहयोग

1- शिखा वर्मा, सीतापुर 2- रीना काकरान, मेरठ
3- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर 4- मन्जू शर्मा, हाथरस

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम